ENTRI

वचन
Number

MANEESHA K S

ENTRI

वचन

संज्ञा के जिस रूप से संख्या का बोध हो उसे वचन कहते हैं।

हिन्दी में दो वचन हैं-

1. एकवचन
2. बहुवचन

ENTRI

एकवचन

संज्ञा के जिस रूप से एक पदार्थ या व्यक्ति का बोध हो, उसे एकवचन कहते हैं।

जैसे- लड़का, पुस्तक, रास्ता, नदी आदि।

ENTRI

बहुवचन

संज्ञा के जिस रूप से एक से अधिक पदार्थों या व्यक्तियों का बोध हो, उसे बहुवचन कहते हैं।

जैसे- लड़के, पुस्तकें, रास्ते, नदियाँ आदि।

ENTRI

आदर के लिए भी बहुवचन का प्रयोग होता है।

जैसे- गुरुजी चले गये।

महात्मा गाँधी आये थे।

प्रधानमंत्री बोलेंगे।

कुछ शब्दों का प्रयोग प्रायः बहुवचन में ही होता है।

जैसे- आँसू, लोग, ओंठ, दर्शन आदि।

ENTRI

एकवचन से बहुवचन बनाने के नियम

वचन की दृष्टि से संज्ञाओं में परिवर्तन दो स्थितियों में होता है।

एक तो मूल अर्थात् विभक्ति रहित रूप में और दूसरा विकृत अथवा विभक्ति सहित रूप में।

विभक्ति -रहित रूप

नियम 1

आकारान्त पुल्लिंग संज्ञाओं के अन्तिम 'आ' को 'ए' कर देने से बहुवचन बनता है।

जैसे- लड़का-लड़के

कुत्ता-कुत्ते

कपड़ा-कपड़े

पत्ता-पत्ते

अपवाद-मामा, नाना, चाचा, काका, पिता, देवता, राजा, जामाता आदि। इनका दोनों वचनों में एक ही रूप रहता है।

ENTRI

नियम 2

अकारान्त स्त्रीलिंग शब्दों में 'अ' के स्थान पर 'ऐ' जोड़ने से बहुवचन बनता है।

जैसे- रात-रातें

किताब -किताबें

बात-बातें

आँख-आँखें

ENTRI

नियम 3

आकारान्त ' स्त्रीलिंग शब्दों में ‘आ’ को ‘एँ’ में परिवर्तित करने से बहुवचन बनता है।

जैसे- लता-लताएँ

कन्या-कन्याएँ

माता-माताएँ

धारा-धाराएँ

ENTRI

नियम 4

आकारान्त पुल्लिंग शब्दों को छोड़कर शेष पुल्लिंग शब्द दोनों वचनों में समान रहते हैं।

जैसे- गुरु-गुरु

बिन्दु-बिन्दु

मुनि-मुनि

बालक-बालक

पशु-पशु

घर-घर

ENTRI

नियम 5

इकारान्त स्त्रीलिंग शब्दों के अन्त में केवल 'याँ' जोड़ने से बहुवचन बनता है।

जैसे- रीति-रीतियाँ

रात्रि-रात्रियाँ

तिथि-तिथियाँ

मणि-मणियाँ

राशि-राशियाँ

जाति-जातियाँ

ENTRI

नियम 6

ईकारान्त स्त्रीलिंग शब्दों में 'ई' को ह्रस्व बनाकर 'याँ' जोड़ने से बहुवचन बनता है।

जैसे- लड़की-लड़कियाँ

नदी-नदियाँ

स्त्री-स्त्रियाँ

सखी-सखियाँ

नियम 6

ईकारान्त स्त्रीलिंग शब्दों को छोड़कर शेष स्त्रीलिंग शब्दों के साथ 'एँ' जोड़ने से बहुवचन बनता है।

जैसे- माला-मालाएँ

वस्तु-वस्तुएँ

नियम 8

याकारान्त स्त्रीलिंग शब्द के अन्त में चन्द्रबिन्दु (ँ) जोड़ने से बहुवचन बनता है।

जैसे- चिड़िया -चिड़ियाँ

गुड़िया -गुड़ियाँ

ENTRI

नियम 9

ऊकारान्त स्त्रीलिंग संज्ञाओं के 'ऊ' को ह्रस्व बनाकर 'एँ' जोड़ने से बहुवचन बनता है।

जैसे- वधू-वधुएँ

बहू-बहुएँ

नियम 10

मनुष्यवाचक पुल्लिंग शब्दों के साथ गण, लोग, वर्ग, जाति, जन आदि समूहवाचक शब्द जोड़ने से बहुवचन बनता है।

जैसे- अध्यापक - अध्यापकगण

योद्धा - योद्धा लोग

पाठक - पाठकवर्ग

मनुष्य - मनुष्यजाति

विद्वान - विद्वज्जन

विभक्ति -सहित रूप

ENTRI

नियम 1

अकारान्त , आकारान्त (संस्कृत शब्दों को छोड़कर) तथा एकारान्त संज्ञाओं में अन्तिम स्वर को 'ओं' कर देने से बहुवचन बनता है।

जैसे- हाथ में-हाथों में

आँख में- आँखों में

कुत्ते ने- कुत्तों ने

ENTRI

नियम 2

संस्कृत की आकारान्त तथा संस्कृत-हिन्दी की सभी उकारान्त, ऊकारान्त, अकारान्त, औकारान्त संज्ञाओं के बहुवचन बनाने के लिए अन्त में 'ओं' जोड़ा जाता है।

जैसे- लता पर-लताओं पर

माता से-माताओं से

पशु को-पशुओं को

ENTRI

नियम 3

सभी इकारान्त और ईकारान्त संज्ञाओं का बहुवचन बनाने के लिए अन्त में 'यों' जोड़ा जाता है। ईकारान्त संज्ञाओं में 'ई' को 'इ' करने के बाद ही 'यों' जोड़ा जाता है।

जैसे- मुनी से-मुनियों से

नदी में- नदियों में

विद्यार्थी को-विद्यार्थियों को

THANK YOU